श्रवण कौशल की- शिक्षा की विधियाँ
Strategies of Education Listening skill

1. सस्वर वाचन :— शिक्षण के द्वारा किये आदर्श वाचन और कक्षा के किसी छात्र द्वारा किये जाने वाले अनुकरण को ध्यानपूर्वक सुनकर शुद्ध उच्चारण, बलाघात, गति आदि का ज्ञान प्राप्त करते हैं। इसमें शिक्षक को यह पता चलता रहता कि छात्र - छात्राओं का श्रवण कौशल किस दिशा में कितना विकसित कर रहा है।

2. श्रुत - लेखन :— श्रुत - लेखन शुद्ध - लेखन के अभ्यास हेतु सशक्त और सार्थक विधि है। श्रुत - लेखन में विद्यार्थी को सुनकर लिखना पड़ता है।

3. भाषण :— भाषण बालकों में मौखिक अभिव्यक्ति का विकास करने के लिए सर्वश्रेष्ठ साधन है।

4. वाद - विवाद :— श्रवण कौशल का विकास करने की दृष्टि से वाद - विवाद लाभप्रद एवं सार्थक क्रिया है, बालक इस क्रिया में भाग लेते हैं और प्रत्येक बात को ध्यान से सुनना पड़ता है। बालक ध्यानपूर्वक सुनना पड़ता क्योंकि उन्हें प्रत्येक प्रश्न का जवाब देना पड़ता

5. प्रश्नोत्तर विधि :— इस विधि में पाठ का विकास सार्थक एवं कारगर होता है।

Scanned by TapScanner

6. कहानी कहना और सुनना :— इस विधि में श्रवण कौशल के साथ - साथ मौखिक कौशल का भी शिक्षण होता है। शिक्षक द्वारा कहानी कहना श्रवण - कौशल - शिक्षण का सशक्त एवं प्रभावपूर्ण साधन है क्यों कि छोटे बच्चे कहानी सुनने में बहुत आनन्द लेते हैं।

7. श्रव्य - दृश्य सामग्री का उचित प्रयोग :—

a) ग्रामोफोन

b) टेप - रिकार्डर

c) चलचित्र

d) दूरदर्शन

e) वीडियो

इन श्रव्य - दृश्य सामग्री का प्रयोग करने से श्रवण - कौशल शिक्षण का विकास पूर्ण सहायता मिलती है।

Scanned by TapScanner